NEWSLETTER

शनिवार, 06 मई 2023 | वॉल्यूम - 44

दो असफल फसलों के मौसम से पंजाब में कपास की बुआई बाधित हुई

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 60636
SILVER : 77016
CRUD OIL : 5847

पिछले सालो की तुलना में यह रुई वर्ष विचित्र स्थिति में रहा. इन्ही हालातो को ध्यान में रखते हुऐ वेलस्पन ग्रुप के भूतपूर्व वाईस प्रेसिडेंट श्री आर.एस. पाठक जी के साथ हुए साक्षात्कार का सारांश निम्न प्रकार है.

वर्तमान परिस्थितियों में कॉटन टेक्सटाइल की स्थिती

श्री आर.एस. पाठक.
(भूतपूर्व वाईस प्रेसिडेंट (वेलस्पन ग्रुप))

गत वर्ष कपास के उच्चतम भाव को ध्यान में रखते हुऐ, इस सीजन में किसानो ने कपास को मंद गति से विक्री किया है. अभी भी मई माह में लगभग एक लाख गठान प्रति दिन आ रही है. सीजन लेट हो गया है.
जानकारों के मतानुसार इस वर्ष कॉटन उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में कमी आई है. जिसके लिए मुख्यतः कॉटन सीड की क्वालिटी पर ध्यान देना होगा। सीड उत्तम क्वालिटी का होगा तो ही क्रॉप क्वालिटी और क्वान्टिटी वाइस अच्छी होगी। सीड पर रीसर्च कर वेराइटी चेंज करना जरूरी है. इससे आने वाली फसल सक्रमण से भी बचेगी और ईल्ड अच्छी होगी।खुले बाजार (प्राइवेट सेक्टर) में बीज का वितरण पूर्णत: प्रतिबंधित होना चाहिए।सरकार को सरकारी एजंसियों के माध्यम से सीड वितरण प्रणाली को कार्याविन्त करना चाहिए। फ़िलहाल में हमारे देश की लम्बे रेशे की रुई का उत्पादन बहुत सीमित हो गया है. पुरानी लॉन्ग स्टेपल वैराइटी जैसे वरलक्ष्मी (34एम एम), एमसीयु-5 (32 एम एम) आदि विलुप्त हो गई है. और अभी इनको प्रतिस्थापन का कोई अन्वेषण नहीं हुआ है इस तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना अनिवार्य है. अन्यथा कॉटन टेक्सटाइल का भविष्य स्वस्थ नहीं रह पायेगा।

सी.ऐ.आई को कपास व्यापार के हित में सुझाव।

इसमें कोई संदेह नहीं है की अच्छी उपज और बेहतर गुणवत्ता कपास का उत्पादन करने की दिशा में किसानो को सर्वोत्तम क्वॉलिटी बीज उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। यह कार्य सी.ऐ.आई और भारत देश के मिल्स संघो के द्वारा सरकार से सकारात्मक सार्थक वार्ता कर क्रियान्नित किया जाना चाहिए। राज्यों के कृषि फार्मो और विशविद्यालय के साथ राष्ट्रीय बीज निगम के माध्यम से पूसा (इंस्टिट्यूट) दिल्ली द्वारा बीज विकसित करने का कार्य संभालना चाहिए। कपडा उद्योग को जीवित रखने के लिए यह कार्य अविलम्ब प्रारंभ करना चाहिए। अन्यथा भरतीय कपडा उद्योग का अस्तित्व आने वाले समय में बहुत जटिल होगा।आशा है कि कपास व्यापार के हित में उपरोक्त सुझावो पर विचार किया जायेगा।

गुजरात में जल्द ही ओज से 2.50 लाख कपास गांठों का आयात

अहमदाबाद: घरेलू बाजार में कम आवक के साथ, कपड़ा उद्योग आयातित कपास की उच्च मांग देख रहा है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय स्पिनरों ने ऑस्ट्रेलिया से 2.50 लाख गांठ का ऑर्डर दिया है जो शुल्क मुक्त होगा। यह स्टॉक तीन महीने में भारत पहुंचने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा, कई खिलाड़ी अफ्रीका से कपास आयात करने की योजना बना रहे हैं क्योंकि केंद्र सरकार ने अविकसित देशों से आयात के लिए आधा आयात शुल्क की योजना शुरू की है। स्पिनर्स एसोसिएशन गुजरात (एसएजी) के उपाध्यक्ष जयेश पटेल ने कहा, 'भारत में कपास की फसल 340 लाख गांठ से अधिक होने का अनुमान है। हालांकि, इस साल आवक धीमी रही है क्योंकि कई किसानों ने अपनी पूरी फसल नहीं बेची है। बेहतर कीमतों की उम्मीद।"

उन्होंने कहा कि भारतीय कपास की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कपास की तुलना में अधिक बनी हुई हैं। पटेल ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया से हमारा कपास आयात पिछले साल काफी बढ़ा है और इस साल भी हमें अगले तीन महीनों में करीब 2.50 लाख गांठों का शुल्क मुक्त आयात होने की उम्मीद है। आयातकों ने ऑर्डर दे दिए हैं और शिपमेंट जल्द ही शुरू हो जाएगा।' ऑस्ट्रेलियाई कपास में नमी कम होती है और स्पिनरों को ऑस्ट्रेलियाई कपास से बने धागों की बेहतर कीमत मिलती है। स्पिनरों को ऑस्ट्रेलियाई सूती धागे के लिए प्रीमियम कीमत भी मिलती है क्योंकि यह संदूषण मुक्त है। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई कपास का एक बड़ा हिस्सा गुजरात स्थित कताई इकाइयों में आएगा। 2022 में ऑस्ट्रेलिया से भारत का कपास आयात 283 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के आयात से चार गुना अधिक है। भारतीय कपड़ा उद्योग ने पिछले साल लगभग 4.75 लाख गांठ कपास का आयात किया जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.5 गुना अधिक है। पावरलूम डेवलपमेंट एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (PDEXCIL) के पूर्व अध्यक्ष भरत छाजेर ने कहा, "कपड़ा उद्योग अफ्रीकी देशों से भी कपास आयात करने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। केंद्र सरकार ने हाल ही में अविकसित देशों से आयात के लिए आयात शुल्क आधा करने की घोषणा की है। इसका मतलब यह है कि कुछ अफ्रीकी देशों से लगभग 5.50% आयात शुल्क पर कपास का आयात किया जा सकता है। भारतीय कपास की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं और संभावना है कि व्यापारी अफ्रीका से कपास का आयात कर सकते हैं।" पिछले साल कपास की कीमतें भारत में 1.10 लाख रुपये प्रति कैंडी (356 किलोग्राम) के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थीं, जो अब लगभग 61,500 रुपये प्रति कैंडी हैं।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. ***CLICK HERE***

शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

1 से 5 मई 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर आधारित खबर-

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेग्मेंट के लिए यह सप्ताह तेजी वाला रहा। इस बीच कुछ कंपनीज के शेयर्स का मार्केट कैप बढा जबकि कुछ का मार्केट कैप पिछले सप्ताह की तुलना में नीचे गिर गया। आइए जानते है बीएसई के मंच पर प्रमुख कंपनीज की कैसी रही परफॉरमेंस-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल %
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	317.75	339.95	313.1	1.45%
अरविंद लिमिटेड	109.8	115.9	107	1.53%
वेलस्पन इंडिया	94.15	104.9	88.46	6.41%
नितिन स्पिनर्स	251.35	263.15	248.15	1.17%
रेमण्ड	1598.35	1622.5	1555	0.33%
अक्षिता कॉटन	37.95	52.04	37.95	-27.08%

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 06.05.2023

ICE COTTON			
MONTH	28.04.23	05.05.23	WEEKLY CHANGE
JULY	80.8	83.90	3.1
DEC	81.1	83.24	2.14
MARCH	81.14	83.01	1.87
MCX (BALES) CANDY			
JUNE	62820	63260	440
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1542	1627	85
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAY	2822	2827	5
JUNE	2857	2859	2
JULY	2832	2877	45
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	81.82	81.80	-0.02
PAK (Pakistani Rupee)	283.696	283.507	-0.189
CNY (Chinese yuan)	6.91336	6.91073	-0.00263
BRAZIL (Real)	4.98695	4.95317	-0.03378
AUSTRALIAN Dollar	1.51173	1.47927	-0.03246
MALAYSIAN RINGGITS	4.46048	4.44372	-0.01676
COTLOOK "A" INDEX	93.15	94.30	1.15
BRAZIL COTTON INDEX	79.51	77.52	-1.99
USDA SPOT RATE	78.09	80.69	2.6
MCX SPOT RATE	61780	61980	200
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	20235	235
GOLD ($)	1999.4	2024.6	25.2
SILVER ($)	25.33	25.93	0.6
CRUDE ($)	76.63	71.32	-5.31

दो सप्ताह की गिरावट के बाद इस सप्ताह कॉटन के भाव ने इंटरनेशल मार्केट में बढ़त हासिल की। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के जुलाई 23, दिसंबर 23 और मार्च 24 माह के लिए कॉटन के भाव 3.10, 2.14 और 1.87 सेंट तक बढ़े है।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर कॉटन के दाम में इस सप्ताह बढ़ोतरी हुई। जून माह के सौदा भाव में 440 रूपए प्रति कैंडी तक की बढ़त इस सप्ताह दर्ज की गई हैं।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी इस बार 85 रूपए प्रति 20 किलो तक की तेजी देखी गई वही खल के भाव में मई और जून माह के लिए क्रमशः 5 और 2 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़त हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक ए इंडेक्स पर 1.15 अंक की तेजी आयी, ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 1.99 की गिरावट और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 200 अंक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके साथ यूएसडीए स्पॉट रेट पर 2.60 की बढ़ोतरी देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहअंत में 235 रुपए की तेजी देखी गयी।

दो असफल फसलों के मौसम से पंजाब में कपास की बुआई बाधित हुई

2021 और 2022 में दो असफल मौसमों ने कपास उत्पादकों को संकट में डाल दिया है। खराब मौसम ने भी अपनी भूमिका निभाई है, दक्षिण मालवा में कपास केवल 8% या लगभग 20,000 हेक्टेयर क्षेत्र में बोया गया है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) की सलाह के अनुसार, कपास की बुवाई 15 अप्रैल से 15 मई के बीच पूरी की जानी चाहिए और केवल 12 दिन बचे हैं, किसान प्रमुख खरीफ फसल की बुवाई के कार्यों को पूरा करने के लिए समय के खिलाफ दौड़ रहे हैं।कृषि विशेषज्ञों और किसानों ने कहा कि लगातार दो सीजन में फसल खराब होने के बाद कपास उत्पादक असमंजस में हैं कि पारंपरिक नकदी फसल की खेती में निवेश किया जाए या कोई विकल्प तलाशा जाए।

राज्य के कृषि विभाग द्वारा बुधवार को जुटाई गई जानकारी में कहा गया है कि कपास उगाने वाले जिलों ने 2023-24 खरीफ चक्र के लिए 3 लाख हेक्टेयर के लक्ष्य के मुकाबले 20,000 हेक्टेयर (50,000 एकड़) में बुवाई दर्ज की है। 2022-23 में लगभग 2.47 लाख हेक्टेयर में कपास की खेती की गई थी।दक्षिण मालवा क्षेत्र के अर्ध-शुष्क जिलों की आर्थिक जीवन रेखा माने जाने वाले पंजाब सरकार ने पहली बार पीएयू द्वारा अनुमोदित बीजों पर 33 प्रतिशत की सब्सिडी भी शुरू की थी। विशेषज्ञों ने कहा कि 2021 और 2022 सीजन में फसल खराब होने का मुख्य कारण किसानों द्वारा अस्वीकृत बीजों का उपयोग और कीट संक्रमण के कारण यह कदम उठाया गया है। बठिंडा के मुख्य कृषि अधिकारी दिलबाग सिंह ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य किसानों को केवल स्वीकृत किस्मों को खरीदना है। आंकड़े बताते हैं कि बुवाई में तेजी नहीं आई है। अधिकारियों ने इस साल खराब मौसम की स्थिति और इस साल गेहूं की कटाई में देरी को कपास की फसल की बुवाई में देरी का मुख्य कारण बताया है।

मुख्य कृषि अधिकारी (सीएओ) जांगिड़ सिंह ने उम्मीद जताई कि अगले सप्ताह बुआई में तेजी आएगी।

"गेहूं की कटाई में देरी के बाद, किसान अगली फसल के लिए खेतों को साफ करने में व्यस्त थे। इस क्षेत्र में व्यापक बारिश और अगले 3-4 दिनों तक बारिश के पूर्वानुमान के साथ, कपास उत्पादक बुवाई शुरू करने के लिए मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे हैं।बठिंडा में किसानों ने केवल 4,000 हेक्टेयर में कपास की बुवाई की है, जबकि इस साल का लक्ष्य 80,000 हेक्टेयर है। पिछले खरीफ सीजन में जिले में लगभग 70,000 हेक्टेयर में कपास की खेती हुई थी।मनसा के मान खेड़ा गांव के निवासी शरणजीत सिंह ने कहा कि 2021 और 2022 में कीट के हमलों के कारण दो फसलें खराब होने के बाद किसान संकट में हैं। "पिछले कई सालों से मैं 18 एकड़ में कपास की बुवाई कर रहा था। लेकिन पिछले दो साल में भारी नुकसान के बाद इस बार 10 एकड़ में ही कपास की बुवाई की है। मैं बाकी जमीन पर बाजरा या ज्वार जैसे अनाज बोने की योजना बना रहा हूं।' मुक्तसर के सीएओ गुरप्रीत सिंह ने कहा कि विभाग को उम्मीद है कि कपास का रकबा 33,000 हेक्टेयर से बढ़कर 50,000 हेक्टेयर हो जाएगा।"पिछले सीजन में नहर के पानी की कम उपलब्धता के कारण भी किसानों को नुकसान उठाना पड़ा था। लेकिन इस वर्ष, सिंचाई सहायता उत्कृष्ट है और किसानों को फिर से कपास उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। बुवाई में धीमी प्रगति के पीछे बेमौसम बारिश है, लेकिन यह जल्द ही रफ्तार पकड़ेगी।'

बीज सब्सिडी पर कम प्रतिक्रिया

विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि अब तक केवल 12,000 किसानों ने ही बीज पर 33% सब्सिडी का दावा करने के लिए अपना पंजीकरण कराया है। सबसे अधिक 5,700 किसान फाजिल्का से हैं, इसके बाद बठिंडा (2,500), मनसा (2,400) और मुक्तसर (1,500) हैं। 2023 खरीफ सीजन के लिए, केंद्र सरकार ने बीटी 2 कपास के बीज का अधिकतम खुदरा मूल्य ₹853 प्रति पैकेट तय किया है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

भारत में कपास की आवक बढ़ रही है, कीमतों में गिरावट की संभावना: आईसीएसी

भारतीय किसानों ने स्टॉक निकालना करना शुरू कर दिया है या नहीं, इस बारे में अपनी टिप्पणियों में, ICAC ने कहा, "चाहे उन्होंने कीमतों में हाल के मामूली स्थिरीकरण को देखा हो और लाभ लेने का फैसला किया हो, या वे कपास को और अधिक समय तक रोक नहीं सकते थे

कमजोर मांग, उत्पादन ठप होने से उत्तर भारतीय सूती धागे में गिरावट

बुनाई उद्योग की कम मांग और कमजोर निर्यात मांग के कारण उत्तर भारतीय सूती धागे की कीमतें गिर गईं, प्रमुख कताई मिलों ने स्टॉक संचय को रोकने के लिए उत्पादन को आंशिक रूप से रोकने पर विचार किया।

अमेरिकी प्रतिबंधों से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ वियतनाम परिधान उद्योग

चीन के झिंजियांग से आयात पर प्रतिबंध लगाने के कड़े अमेरिकी नियम वियतनाम के परिधान और फुटवियर निर्माताओं पर दबाव बढ़ा रहे हैं, जिससे वैश्विक विनिर्माण केंद्र में मांग में कमी के कारण अक्टूबर से लगभग 90,000 नौकरियां जा चुकी हैं।

चीन : पीएसएफ और कपास समान शुरुआत, लेकिन अप्रैल के अंत में दोराहे

छुट्टी के बाद मांग में सुधार की उम्मीद के साथ कपास और पीएसएफ की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई। छुट्टी के बाद, डाउनस्ट्रीम ऑर्डर उम्मीद के मुताबिक अच्छे नहीं थे और कपास और पीएसएफ दोनों की कीमतों में गिरावट आई। मार्च में, कमोडिटी बाजार बैंकिंग प्रणाली के मुद्दे से प्रभावित हुआ और कपास और पीएसएफ की कीमतों में गिरावट आई।

ऑर्डर में 70-80% की कमी के कारण वियतनाम में 1,300 से ज्यादा व्यापार हुए बंद

2023 की पहली तिमाही में, वियतनाम के कपड़े और जूते के ऑर्डर 70% से 80% तक गिर गए। वियतनाम टेक्सटाइल एंड अपैरल एसोसिएशन के अनुसार, मार्च 2023 में, वियतनाम का कपड़ा और परिधान निर्यात लगभग 3.298 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, महीने-दर-महीने 18.11% की वृद्धि और साल-दर-साल 12.91% की कमी हुई।

कॉटन फिजिकल मार्केट में सप्ताह के आखरी 2 दिनों में आयी तेजी।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए सप्ताहांत में तेजी वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में तेजी देखी गई। नार्थ झोन में अपर राजस्थान में 50 रूपए प्रति मंड तक दाम बढ़े।

सेंट्रल झोन के महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 500 रूपए प्रति कैंडी की तेजी देखने को मिली। जबकि मध्यप्रदेश और गुजरात में 400 रुपए की तेजी देखी गई।

साउथ झोन में भी तेजी का रूख जारी रहा। तेलंगाना, कर्नाटक और आंध्रप्रदेश में सप्ताहअंत तक आयी तेजी।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77771 - 5

DATE: 06.05.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	01.05.23		06.05.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,200	6,300	6,250	6,300	0
HARYANA	27.5/28	6,175	6,275	6,175	6,275	0
UPER RAJASTHAN	28	6,350	6,450	6,400	6,500	50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	61,600	61,900	61,800	62,300	400
MADHYA PRADESH	29	61,200	61,500	61,200	61,500	0
MAHARASHTRA	29 vid.	60,700	61,200	61,200	61,700	500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	63,300	63,400	63,300	63,400	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	61,000	61,000	61,000	61,000	0
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,700	63,500	62,500	63,500	0
TELANGANA	29 mm 75 RD	61,500	61,800	61,500	61,800	0

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 06 May 2023 | Volume - 44

COTTON SOWING DISRUPTED IN PUNJAB DUE TO TWO FAILED CROP SEASONS

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 60636
SILVER : 77016
CRUD OIL : 5847

Compared to previous years, this cotton year was in a strange condition. Keeping these circumstances in mind, former Vice President of Welspun Group, Mr. R.S. The summary of the interview with Pathak ji is as follows.

Current Status of Cotton Textiles

Mr. R.S. PATHAK

(Former vice president(Welspun Group))

Compared to previous years, this cotton year was in a strange condition. Keeping these circumstances in mind, former Vice President of Welspun Group, Mr. R.S. The summary of the interview with Pathak ji is as follows. Keeping in mind the highest price of cotton last year, this season farmers have sold cotton at a slow pace. Even now in the month of May about one lakh formations are coming per day. The season is late. According to experts, both cotton production and quality have decreased this year. For which attention has to be paid mainly on the quality of cotton seed. Crop quality and quantity wise will be good only if the seed is of good quality. It is necessary to change the variety by doing research on the seed. Due to this, the coming crop will also be saved from infection and the yield will be good. Distribution of seeds in the open market (private sector) should be completely banned. The government should implement the seed distribution system through government agencies. At present, the production of long staple cotton in our country has become very limited. The old long staple varieties like Varalakshmi (34 mm), MCU-5 (32 mm) etc. have become extinct. And as of now no research has been done to replace them, it is necessary to draw the attention of the government towards this. Otherwise the future of cotton textile will not remain healthy.

Suggestion to CAI in the interest of cotton trade.

There is no doubt that it is very important to provide best quality seeds to the farmers in order to produce good yield and better quality cotton. This work should be implemented by the CAI and the Mills Associations of the country after holding positive and meaningful talks with the government. The work of developing seeds should be handled by Pusa (Institute) Delhi through National Seed Corporation along with State Agricultural Farms and Universities. To keep the textile industry alive, this work should be started without delay. Otherwise, the existence of Indian textile industry will be very complicated in the coming times. It is hoped that the above suggestions will be considered in the interest of cotton trade.

IMPORTS OF 2.50 LAKH COTTON BALES FROM OZ SOON IN GUJARAT

AHMEDABAD: With lower arrivals in the domestic market, the textile industry is witnessing a higher demand for imported cotton. According to sources, Indian spinners have placed orders for 2.50 lakh bales from Australia which will be duty free. This stock is expected to reach India in three months. Apart from Australia, many players are planning to import cotton from Africa as the central government has introduced a scheme of half import duty for imports from underdeveloped countries. Jayesh Patel, the vice-president of Spinners' Association Gujarat (SAG), said, "India's cotton crop is estimated at more than 340 lakh bales. However, the arrivals have remained slowed this year because many farmers have not sold their entire crop in the anticipation of better prices."

He said that the prices of Indian cotton have remained higher than the international cotton. "Our cotton imports from Australia have increased significantly last year and this year too, we expect around 2.50 lakh duty-free imports of bales in the next three months. Importers have placed orders and shipments will start soon," said Patel. Australian cotton has low moisture and spinners get better realisation for the yarns made of Australian cotton. Spinners also get premium prices for Australian cotton yarn because it is contamination free. According to industry experts, a major portion of the Australian cotton will come to the Gujarat-based spinning units. India's cotton imports from Australia reached $283 million in 2022, which is more than four times the previous year's imports. Indian textile industry imported around 4.75 lakh bales of cotton last year which is more than 2.5 times higher than the previous year. Bharat Chhajer, the former chairman of Powerloom Development and Export Promotion Council (PDEXCIL), said, "Textile industry is contemplating options of importing cotton from African countries as well. The central government has recently announced to half the import duty for imports from underdeveloped countries. This means that cotton can be imported at around 5.50% import duty from some African countries. Indian cotton prices have remained firm and there are possibilities that traders may import cotton from Africa." Last year, cotton prices reached a historical high of Rs 1.10 lakh per candy (356kg) in India which are now around Rs 61,500 per candy.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

It was a mixed week for stock market investors

News based on share value of major textile companies from 1st to 5th May 2023

This week was a fast one for the textile segment in the stock market. Meanwhile, the market cap of shares of some companies increased while the market cap of some fell down as compared to the previous week. Let us know how the major companies performed on the platform of BSE-

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE IN %
VARDHAMAN TEXTILE LIMITED	317.75	339.95	313.1	1.45%
ARVIND LIMITED	109.8	115.9	107	1.53%
WELSPUN INDIA	94.15	104.9	88.46	6.41%
NITIN SPINNERS	251.35	263.15	248.15	1.17%
RAYMOND	1598.35	1622.5	1555	0.33%
AXITA COTTON	37.95	52.04	37.95	-27.08%

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 06.05.2023

MONTH	28.04.23	05.05.23	WEEKLY CHANGE
ICE COTTON			
JULY	80.8	83.90	3.1
DEC	81.1	83.24	2.14
MARCH	81.14	83.01	1.87
MCX (BALES) CANDY			
JUNE	62820	63260	440
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1542	1627	85
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAY	2822	2827	5
JUNE	2857	2859	2
JULY	2832	2877	45
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	81.82	81.80	-0.02
PAK (Pakistani Rupee)	283.696	283.507	-0.189
CNY (Chinese yuan)	6.91336	6.91073	-0.00263
BRAZIL (Real)	4.98695	4.95317	-0.03378
AUSTRALIAN Dollar	1.51173	1.47927	-0.03246
MALAYSIAN RINGGITS	4.46048	4.44372	-0.01676
COTLOOK "A" INDEX	93.15	94.30	1.15
BRAZIL COTTON INDEX	79.51	77.52	-1.99
USDA SPOT RATE	78.09	80.69	2.6
MCX SPOT RATE	61780	61980	200
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20000	20235	235
GOLD ($)	1999.4	2024.6	25.2
SILVER ($)	25.33	25.93	0.6
CRUDE ($)	76.63	71.32	-5.31

After two weeks of decline, cotton prices gained in the international market this week. Cotton rates for the months of July 23, December 23 and March 24 on the International Cotton Exchange have increased by 3.10, 2.14 and 1.87 cents.

Cotton prices increased this week on the Multi Commodity Exchange in the Indian market. An increase of up to Rs 440 per candy has been recorded in the deal price of June this week.

The price of cotton on NCDX has also seen a rise of Rs.85 per 20 kg this time, while the price of Khal has increased by Rs.5 and Rs.2 per quintal for the month of May and June respectively.

Looking at the exchange market of other countries, there was a rise of 1.15 points on the Cotlook A index, a fall of 1.99 points on the Brazil Cotton Index and an increase of 200 points on the MCX spot rate. With this, there has been an increase of 2.60 on the USDA spot rate. Pakistan's KCA spot rate saw a gain of Rs 235 over the weekend.

COTTON SOWING DISRUPTED IN PUNJAB DUE TO TWO FAILED CROP SEASONS

Two unsuccessful seasons in 2021 and 2022 have put cotton growers in jeopardy. Bad weather has also played its part, with cotton being sown on only 8% or about 20,000 hectares in South Malwa. As Punjab Agricultural University (PAU) advises, cotton sowing should be completed between April 15 and May 15 and with only 12 days left, farmers are racing against time to complete the sowing operations of the major kharif crop are. Agriculture experts and farmers said that after two consecutive crop failures, cotton growers are in a dilemma whether to invest in traditional cash crop cultivation or look for an alternative.

Cotton-growing districts have recorded sowing in 20,000 hectares (50,000 acres) against a target of 3 lakh hectares for the 2023-24 kharif cycle, data collated by the state agriculture department on Wednesday said. Cotton was cultivated in about 2.47 lakh hectares in 2022-23. Considered to be the economic lifeline of the semi-arid districts of South Malwa region, the Punjab government also introduced a subsidy of 33 per cent on PAU approved seeds for the first time. Experts said that the main reason for crop failure in 2021 and 2022 season is due to use of rejected seeds by farmers and pest infestation. Dilbag Singh, Bathinda's chief agriculture officer, said the move was aimed at farmers buying only approved varieties. Statistics show that sowing has not picked up pace. Officials have cited poor weather conditions and delay in harvesting of wheat this year as the main reasons for delay in sowing of cotton crop.

Chief Agriculture Officer (CAO) Jangir Singh expressed hope that sowing would pick up pace next week.

"After the delay in harvesting wheat, farmers were busy clearing the fields for the next crop. With widespread rains in the region and forecast of rain for next 3-4 days, cotton growers are waiting for the weather to clear up to start sowing. In Bathinda, farmers have sown cotton on only 4,000 hectares, against the target of 80,000 hectares this year. In the last Kharif season, cotton was cultivated in about 70,000 hectares in the district. Sharanjit Singh, a resident of Maan Kheda village in Mansa, said farmers are in distress after two crops failed due to pest attacks in 2021 and 2022. "For the last several years, I was sowing cotton in 18 acres. But after suffering huge losses in the last two years, this time cotton has been sown in only 10 acres. I am planning to sow cereals like bajra or jowar on the rest of the land. Muktsar CAO Gurpreet Singh said the department expects the area under cotton to increase from 33,000 hectares to 50,000 hectares. "Farmers also suffered due to less availability of canal water in the last season. But this year, irrigation support is excellent and farmers will be encouraged to grow cotton again. Slow progress in sowing is due to unseasonal rains, but it will pick up soon.

Low response to seed subsidy

The department's data shows that so far only 12,000 farmers have registered themselves to claim the 33% subsidy on seeds. The maximum 5,700 farmers are from Fazilka, followed by Bathinda (2,500), Mansa (2,400) and Muktsar (1,500). For the 2023 Kharif season, the central government has fixed the maximum retail price of Bt 2 cotton seeds at ₹853 per packet.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Cotton arrivals increasing in India, prices likely to fall: ICAC

In its comments on whether Indian farmers have started offloading stocks, ICAC said, "Whether they have seen the recent slight stabilization in prices and decided to take advantage, or whether they want to sell cotton more Couldn't stop for a while.

North Indian cotton yarn declines due to weak demand, production stalled

North Indian cotton yarn prices fell due to low demand from the weaving industry and weak export demand, with major spinning mills considering partial stoppage of production to prevent stock accumulation.

Vietnam apparel industry worst hit by US sanctions

Tighter US rules banning imports from China's Xinjiang are increasing pressure on Vietnam's apparel and footwear makers, which have lost nearly 90,000 jobs since October due to a slump in demand in the global manufacturing hub.

China: PSF and cotton start similar, but cross at the end of April

Cotton and PSF prices moved up sharply on hopes of revival in demand after the holidays. Post the holiday, downstream orders were not as good as expected and both cotton and PSF prices declined. In March, the commodity market was affected by the banking system issue and cotton and PSF prices declined.

Over 1,300 businesses shut down in Vietnam due to 70-80% drop in orders

In the first quarter of 2023, Vietnam's clothing and footwear orders will drop by 70% to 80%. According to the Vietnam Textile and Apparel Association, in March 2023, Vietnam's textile and apparel exports reached about 3.298 billion US dollars, an increase of 18.11% month-on-month and a decrease of 12.91% year-on-year.

The cotton physical market gained momentum in the last 2 days of the week.

This week turned out to be a bullish weekend for the cotton physical market. The rise in cotton prices was seen in all the three zones North, Central and South. In North Zone, in Upper Rajasthan, the price increased up to Rs. 50 per Mand.

Maharashtra in the central zone saw the maximum increase of Rs 500 per candy. While Madhya Pradesh and Gujarat saw a rise of Rs 400 each.

The uptrend continued in the South Zone as well. Telangana, Karnataka and Andhra Pradesh gained momentum till the end of the week.

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 06.05.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	01.05.23		06.05.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,200	6,300	6,250	6,300	0
HARYANA	27.5/28	6,175	6,275	6,175	6,275	0
UPER RAJASTHAN	28	6,350	6,450	6,400	6,500	50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	61,600	61,900	61,800	62,300	400
MADHYA PRADESH	29	61,200	61,500	61,200	61,500	0
MAHARASHTRA	29 vid.	60,700	61,200	61,200	61,700	500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	63,300	63,400	63,300	63,400	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	61,000	61,000	61,000	61,000	0
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,700	63,500	62,500	63,500	0
TELANGANA	29 mm 75 RD	61,500	61,800	61,500	61,800	0

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.

Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy